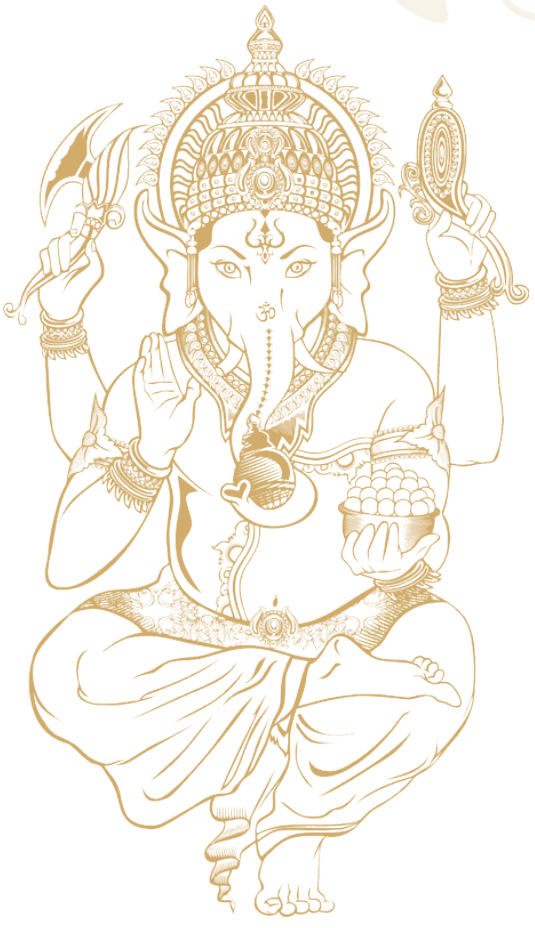

Mr.ashutosh

Ms.jaya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120409702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
18/09/1993	जन्म तिथि	16/06/1994
शनिवार	दिन	गुरुवार
घंटे 19:55:00	जन्म समय	13:44:00 घंटे
घटी 35:22:58	जन्म समय(घटी)	21:36:46 घटी
India	देश	India
Basti	स्थान	Basti
26:48:00 उत्तर	अक्षांश	26:48:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व	रेखांश	82:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56	स्थानिक संस्कार	00:00:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:48	सूर्योदय	05:05:17
18:00:15	सूर्यास्त	18:54:05
23:46:25	चित्रपक्षीय अयनांश	23:47:00

विंशोत्तरी
राहु 17वर्ष 7मा 9दि

गुरु	
29/04/2011	
29/04/2027	
गुरु	16/06/2013
शनि	28/12/2015
बुध	04/04/2018
केतु	11/03/2019
शुक्र	09/11/2021
सूर्य	28/08/2022
चन्द्र	28/12/2023
मंगल	03/12/2024
राहु	29/04/2027

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	11:57:44	मेष
सूर्य	01:54:34	कन्या
चंद्र	06:57:25	तुला
मंगल	00:32:07	तुला
बुध व	17:53:31	कन्या
गुरु व	24:53:48	कन्या
शुक्र	02:34:51	सिंह
शनि	01:06:36	कुंभ व
राहु व	29:33:10	वृश्चि व
केतु व	11:48:51	वृष व
हर्ष व	24:29:15	धनु व
नेप व	24:38:21	धनु व
प्लूटो व	29:33:10	तुला

ग्रह	अंश	राशि
लग्न	24:35:21	कन्या
सूर्य	01:11:02	मिथु
चंद्र	24:53:47	सिंह
मंगल	23:32:52	मेष
बुध व	14:09:14	मिथु
गुरु व	11:21:26	तुला
शुक्र	07:25:56	कर्क
शनि	18:34:54	कुंभ
राहु व	29:35:18	तुला
केतु व	29:35:18	मेष
हर्ष व	01:44:18	मक
नेप व	28:54:26	धनु
प्लूटो व	02:08:10	वृश्चि

विंशोत्तरी
शुक्र 2वर्ष 7मा 26दि

राहु	
11/02/2020	
10/02/2038	
राहु	24/10/2022
गुरु	19/03/2025
शनि	23/01/2028
बुध	12/08/2030
केतु	30/08/2031
शुक्र	30/08/2034
सूर्य	25/07/2035
चन्द्र	23/01/2037
मंगल	10/02/2038

लग्न-चलित

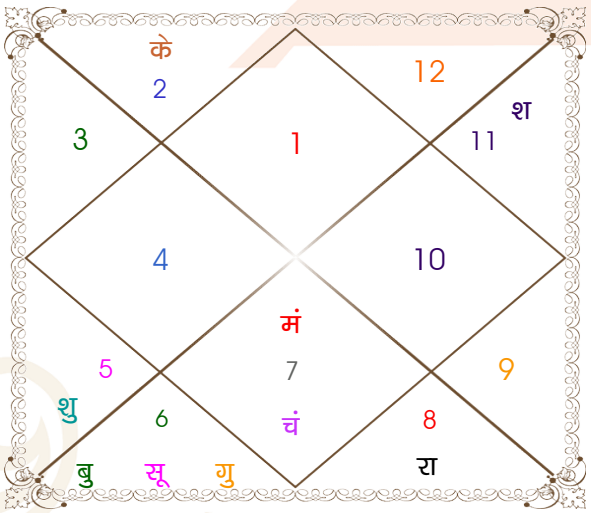

लग्न-चलित

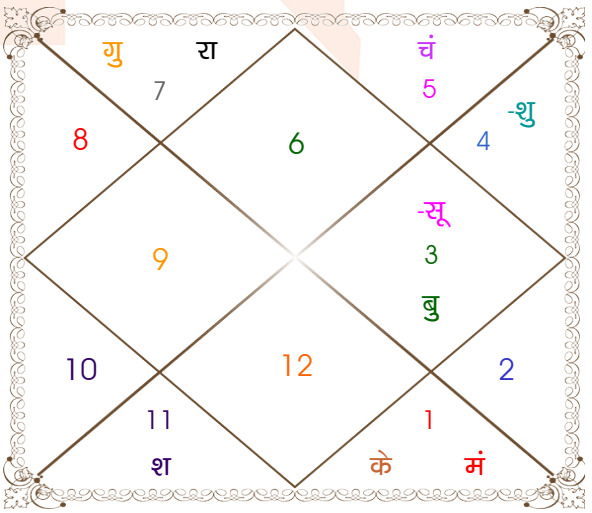

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

Mr.ashutosh का वर्ग मृग है तथा Ms.jaya का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.ashutosh और Ms.jaya का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.ashutosh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं चन्द्र Mr.ashutosh कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.jaya मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.jaya कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.jaya कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mr.ashutosh कि कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.ashutosh कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.ashutosh तथा Ms.jaya में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।